सत्र समापन

अध्यक्षीय उद्बोधन

नारी शक्ति के सम्मान एवं महिलाओं के समग्र विकास और सशक्तिकरण के उद्देश्य से देश की संसद तथा सभी विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण परिसीमन की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। इस पर एक दिवसीय विशेष सत्र पर जो विधानसभा का षष्ठम विधानसभा का नवम सत्र था, नौ घंटे से ऊपर चर्चा हुई। माननीय मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष सहित 25 सदस्यों ने इस पर भाग लिया। मैं उन सबको धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। हमारे हिंदू सनातन संस्कृति में दुर्गा के नौ रूपों की पूजा होती है। यह सुखद संयोग है कि मातृशक्ति पर केंद्रित यह विशेष सत्र हमारा नवम सत्र है। प्रतीकात्मक रूप से माता की आराधना, मातृशक्ति एवं मातृ वंदन को यह विशेष सत्र समर्पित रहा। शासन द्वारा लाए गए संकल्प पर पक्ष-विपक्ष के जिन माननीय सदस्यों ने विचार किया, सभी को मैं धन्यवाद देता हूं। छत्तीसगढ़ विधानसभा का संसदीय संस्कार राज्य की अनमोल धरोहर है। हमारे लिए यह उपलब्धि भरा दिन है, यह विषय हमारे लिए उपलब्धि भरा है। राज्य के निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ की विधानसभा में बजट सत्र, पावस सत्र, शीतकालीन सत्र के अलावा विकास के अनेक अवसरों पर विशेष सत्र आहूत हुए। 22 अगस्त, 2016 को संविधान संशोधन के अनुसमर्थन में। 28 अप्रैल, 2017 को वस्तु एवं सेवा कर विधेयक, 3 अक्टूबर, 2019 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर, 16 जनवरी, 2020 को संविधान के 126वें संशोधन 2019 पर, 18 नवंबर, 2025 को विधानसभा की 25 वर्ष की संसदीय यात्रा पर विशेष चर्चा के साथ सत्र संपन्न हुआ और आज महिलाओं के समग्र कल्याण पर केंद्रित संकल्प पर चर्चा हुई। यह चर्चा इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ की विधानसभा लोकतांत्रिक मूल्यों के सुदृढ़ीकरण के लिए वचनबद्ध है। आज छत्तीसगढ़ विधानसभा ने अपने संसदीय आचरण और व्यवहार से देश के समक्ष एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस उपलब्धि का श्रेय मैं आपको देता हूं, माननीय सदन के नेता श्री विष्णु देव साय जी, इसके साथ ही साथ संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप जी, नेता प्रतिपक्ष बाहर चले गए हैं, मगर उन्हें भी मैं धन्यवाद प्रेषित करता हूं तथा पक्ष-विपक्ष के सभी सदस्यगणों का जो सकारात्मक सहयोग मिला। आज यह एक दिवसीय सत्र सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सदन के सुव्यवस्थित संचालन में आप सबके सहयोग के लिए मैं हृदय से धन्यवाद देता हूं। विशेषकर इस अवसर पर सभापति तालिका के माननीय सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूं, जिन्होंने सभा के संचालन में मुझे सहयोग दिया। विधायी सदन में लाए गए किसी भी संकल्प अथवा किसी भी विषय पर अध्यक्ष चर्चा में भाग नहीं लेते। परंतु सत्र के समापन के अवसर पर

उपसंहार के अवसर के रूप में वह अपनी भावनाएं रखते हैं। इसी परंपरा के अनुरूप आज के विशेष सत्र के संदर्भ में मैं संक्षेप में अपनी बात रख रहा हूं। मातृ शक्ति के महत्व के विषय पर मेरा यह मानना है कि अनादि काल से लेकर आज तक भारतीय समाज में मातृ शक्ति को महत्व और भूमिका, दोनों में अत्यंत प्रभावशाली रही। इस विषय पर संशय और संदेह की संभावना शून्य है। सामाजिक, राजनीतिक एवं विविध क्षेत्रों में हमारी माता, बहनें, बेटियों की भूमिका हमें गौरव का अवसर प्रदान करती है। आप चाहे पक्ष के और विपक्ष के सदस्य हों, मैंने अनुभव किया आप सभी के हृदय में मातृ शक्ति के प्रति अगाध श्रद्धा और सम्मान का भाव विद्यमान है और यह होना भी चाहिए। घर-परिवार के से लेकर राज्य और राष्ट्र के समग्र विकास के लिए महिलाओं की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य आवश्यक है और इसे बनाए रखना किसी एक राजनीतिक दल की जवाबदारी नहीं, बल्कि हम सबकी सामूहिक जवाबदारी है। हम समाज में मातृ शक्ति की सुरक्षा, सम्मान, स्वाभिमान के भाव को अपने हृदय में शाश्वत और जागृत रखते हैं। मैं मानता हूँ कि यह विशेष सत्र राजनीतिक दृष्टि से पक्ष-विपक्ष के लिए अलग-अलग मायने रखता हो, परंतु भावना की दृष्टि से आप सभी माननीय सदस्यों का दृष्टिकोण महिलाओं के सम्मान पर केंद्रित रहा। यह इस सदन की उपलब्धि है।

हमारे लिए यह भी उपलब्धि है कि यह विशेष सत्र राज्य के त्रि-स्तरीय पंचायती राज के महिला सदस्य पंच, सरपंच, जनपद, जिला के सदस्य, नगर पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिका के अध्यक्ष, महापौर एवं पार्षदगणों की दर्शक दीर्घा में भरपूर उपस्थिति रहीं। नारी शक्ति के सम्मान और महिलाओं के समग्र विकास और सशक्तिकरण के संबंध में आज छत्तीसगढ़ विधान सभा के इस पावस सत्र में चर्चा हुई। हमारे देश की संस्कृति ने नारी को सम्मान दिया है। हमें इतिहास गवाह है कि महिलाएँ हमेशा समाज, परिवार, धर्म, संस्कृति और राष्ट्र की आधारशिला रही हैं। आज विधान सभा की कार्यवाही में विभिन्न क्षेत्रों से आई हुई महिलाएँ, जिनमें स्थानीय निकाय की 61 अध्यक्ष, पार्षद 100, आँगनबाड़ी कार्यकर्ता 60, लखपति दीदी 57, मितानिन दीदी 12, मिनी माता एवं अन्य पुरस्कार प्राप्त 61, जनपद अध्यक्ष 310, महिला मोर्चा पदाधिकारी 58, महिला बाल विकास के अधिकारी/कर्मचारी एवं क्षेत्र की महिलाओं ने मिलकर करीब 1100 लोगों ने नारी शक्ति के सम्मान और महिला के समग्र विकास की चर्चा को प्रत्यक्ष रूप से देखा है। यह अपने आप में कीर्तिमान है कि विधान सभा में इतनी महिलाओं की एक दिन में उपस्थिति रही। इसके लिए छत्तीसगढ़ के इस विधान सभा में और छत्तीसगढ़ के तीन करोड़ जनता के आभारी हैं। इस अवसर पर महिला जनप्रतिनिधिगण की पर्याप्त उपस्थिति और यह सफलता एक जीवंत प्रमाण है।

मैं सम्माननीय पत्रकार साथियों, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने सदन की कार्यवाही को बड़ी गंभीरता से प्रचार माध्यमों में प्रमुखता से स्थान दिया, प्रदेश की जनता को संपादित कार्यवाही से अवगत कराया। विशेषकर दूरदर्शन को आज की संपूर्ण कार्यवाही के प्रसारण के लिए मैं उन्हें धन्यवाद देता हूँ। इस सत्र के समापन के अवसर पर राज्य शासन के मुख्य सचिव सहित समस्त अधिकारी/कर्मचारियों को बधाई देता हूँ। सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न अधिकारी/कर्मचारियों को बधाई देता हूँ, जिन्होंने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था इस सत्र के दौरान कायम रखी। मैं विधान सभा के सचिव श्री दिनेश शर्मा सहित सचिवालय के समस्त अधिकारी/कर्मचारियों की भी प्रशंसा करता हूँ, जिन्होंने अपने दायित्व का निर्वहन पूर्ण कुशलता और निष्ठा से किया है।

परम्परा के अनुसार इस सत्र के समापन पर आगामी सत्र की संभावित तिथि घोषित की जाती है। तदनुसार, आगामी सत्र जिसकी तिथि माह जुलाई के द्वितीय सप्ताह में संभावित है। आप सभी को धन्यवाद देते हुए मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ।

जय हिंद, जय भारत, जय छत्तीसगढ़।